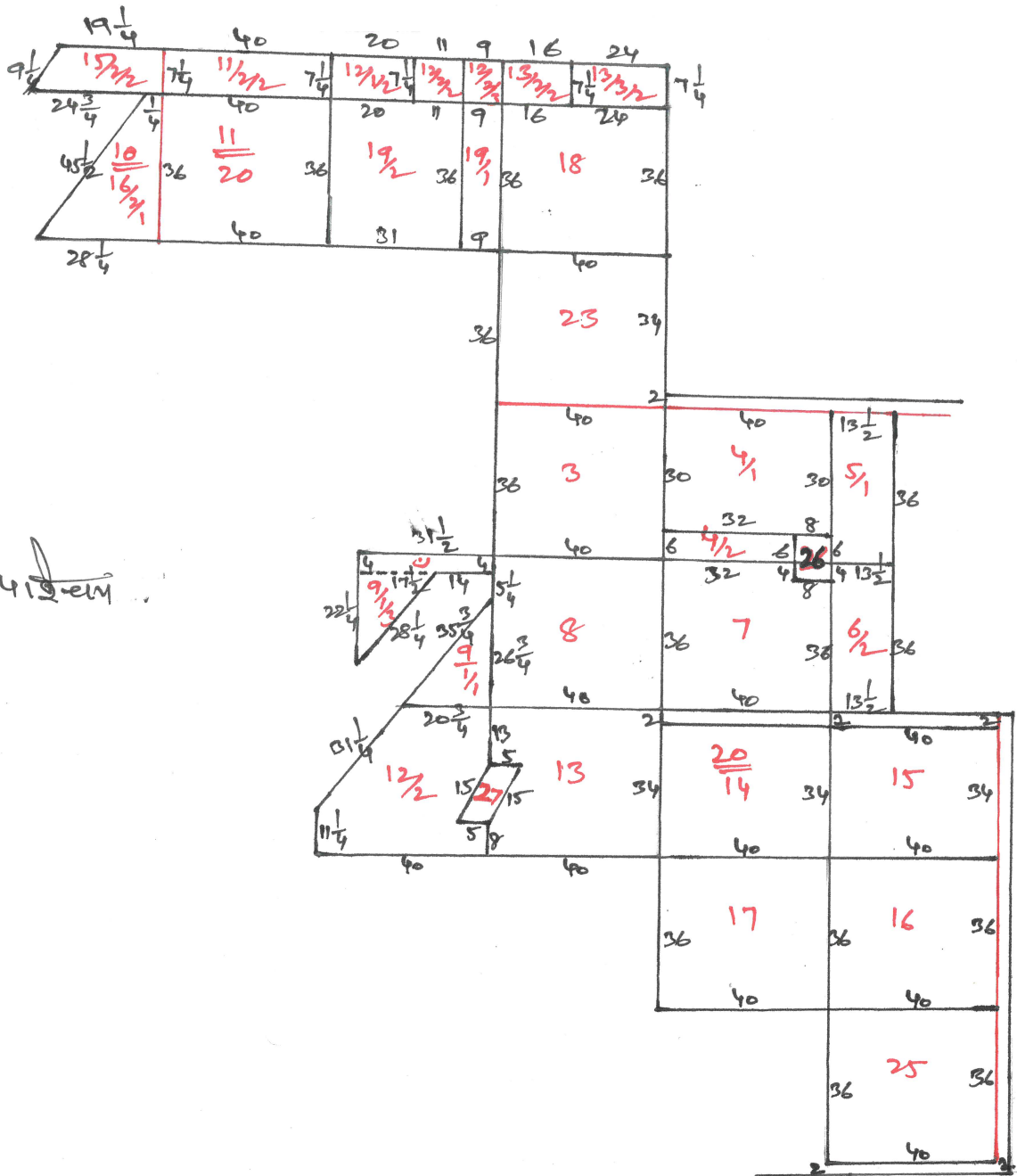


322



हारा

श्री मान जी,
तसदीक की जाती है कि नकल
मुतबिक असल है। उमरत जाबता
बसूल आई।

हस्ताक्षर पटवारी

20-8-25